



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 72]
No. 72]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 19, 2010/फाल्गुन 28, 1931
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 19, 2010/PHALGUNA 28, 1931

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिसूचना

मुम्बई, 19 मार्च, 2010

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(साख निर्धारण एजेंसियां) (संशोधन) विनियम, 2010

सं.एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जीएन./2009-10/30/
199044.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम,
1992 (1992 का 15) की धारा 11 के साथ पठित धारा 30 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और
विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियां) विनियम, 1999 का और
संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(साख निर्धारण एजेंसियां) (संशोधन) विनियम, 2010 कहा जा
सकेगा।

2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (साख निर्धारण एजेंसियां)
विनियम, 1999 में:—

(i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में खण्ड (ड) के
पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“(ड i) “प्रास्थिति या गठन का परिवर्तन,” साख निर्धारण
एजेंसी के संबंध में—

(i) से इसकी प्रास्थिति या गठन में कोई परिवर्तन, चाहे किसी
भी स्वरूप का हो, अभिप्रेत है; और

(ii) उप-खण्ड (i) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले
बिना, जिसमें सम्मिलित है—

(क) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की
धारा 391 के विस्तार या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य
विधि के तत्स्थानी उपबंध के भीतर आने वाला
समामेलन, अविलयन (डीमर्जर), समेकन या
कम्पनी पुनर्संरचना का कोई अन्य प्रकार ;

(ख) इसके प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक में
परिवर्तन; और

(ग) निगमित निकाय पर नियंत्रण में कोई परिवर्तन;

(ड ii) “नियंत्रण में परिवर्तन”, साख निर्धारण एजेंसी के संबंध
में, निगमित निकाय होते हुए, से अभिप्रेत है:—

(i) यदि इसके शेयर किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज
में सूचीबद्ध हैं, भारतीय प्रतिभूति और विनियम
बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण)
विनियम, 1997 के अधीन यथापरिभाषित नियंत्रण
में परिवर्तन;

(ii) किसी अन्य मामले में निगमित निकाय में नियंत्रक
हित में परिवर्तन।

स्पष्टीकरण : उप-खण्ड (ii) के प्रयोजन के लिए, पद
“नियंत्रक हित” से हित अभिप्रेत है, चाहे प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष, निगमित
निकाय में मताधिकारों के कम से कम इक्यावन प्रतिशत तक ;’

(ii) विनियम 9 में, उप-विनियम (1) में, खण्ड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) जहां साख निर्धारण एजेंसी अपनी प्रास्थिति या गठन में परिवर्तन करने का प्रस्ताव करती है, वहां यह परिवर्तन के पश्चात् ऐसी हैसियत से कार्य करना जारी रखने के लिए बोर्ड का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करेगी।”

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69 जैड बी/09/असा.]

पाद टिप्पण :

1. मूल विनियम, भाप्रविबो (साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999 भारत के राजपत्र में प्रकाशित तारीख 7 जुलाई, 1999 की सं. का.आ. 547 (अ) के अधीन जारी हुए थे।

2. भाप्रविबो (साख निर्धारण एजेंसियाँ) विनियम, 1999 तत्पश्चात्—

- (क) 28 मार्च, 2000 को सं. का.आ. 278(अ) द्वारा राजपत्र में प्रकाशित भाप्रविबो (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000 द्वारा
- (ख) 29 मई, 2001 को, भाप्रविबो (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 476(अ), द्वारा
- (ग) 27 सितम्बर, 2002 को भाप्रविबो (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, सं. का.आ. 1045(अ), द्वारा
- (घ) 19 फरवरी, 2003 को भाप्रविबो (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 203(अ), द्वारा
- (ङ) 1 अक्टूबर, 2003 को भाप्रविबो (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 1160(अ), द्वारा
- (च) 10 मार्च, 2004 को भाप्रविबो (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, सं. का.आ. 398(अ), द्वारा
- (छ) 7 सितम्बर, 2006 को भाप्रविबो (साख निर्धारण एजेंसियाँ) (संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 1454 (अ), द्वारा
- (ज) 26 मई, 2008 को भाप्रविबो (मध्यवर्ती) विनियम, 2008, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/11/126538, द्वारा संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 19th March, 2010

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (CREDIT RATING AGENCIES) (AMENDMENT) REGULATIONS, 2010

No. LAD-NRO/GN/2009-10/30/199044. — In exercise of the powers conferred by Section 30 read with Section 11 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999, namely :—

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2010.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Securities and Exchange Board of India (Credit Rating Agencies) Regulation, 1999:

(i) in regulation 2, in sub-regulation (1), after clause (e), the following clauses shall be inserted, namely :—

“(ei) “change of status or constitution” in relation to a credit rating agency—

(i) means any change in its status or constitution of whatsoever nature; and

(ii) without prejudice to generality of sub-clause (i), includes—

(A) amalgamation, demerger, consolidation or any other kind of corporate restructuring falling within the scope of Section 391 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or the corresponding provision of any other law for the time being in force;

(B) change in its managing director or whole-time director; and

(C) any change in control over the body corporate;

(eii) “change in control”, in relation to a credit rating agency being a body corporate, means :—

(i) if its shares are listed on any recognised stock exchange, change in control as defined under the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997;

(ii) in any other case, change in the controlling interest in the body corporate.

Explanation: For the purpose of sub-clause (ii), the expression “controlling interest” means an interest, whether

direct or indirect, to the extent of at least fifty-one per cent of voting rights in the body corporate;'

(ii) in regulation 9, in sub-regulation (1), after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) where the credit rating agency proposes to change its status or constitution, it shall obtain prior approval of the Board for continuing to act as such after the change.”

C. B. BHAYE, Chairman

[ADVT III/4/69ZB/09/Exty.]

Footnotes :

1. The principal regulations, SEBI (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999 were issued under No. S.O. 547 (E), dated July 7, 1999 published in the Gazette of India.

2. SEBI (Credit Rating Agencies) Regulations, 1999 were subsequently amended on

(a) March 28, 2000 by SEBI (Appeal to Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 published in Official Gazette vide No. S.O. 278(E).

(b) May 29, 2001, by SEBI (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) (Regulations), 2001 vide No. S.O. 476(E).

(c) September 27, 2002 by SEBI (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 vide No. S.O. 1045(E).

(d) February 19, 2003 by SEBI (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2003 vide No. S.O. 203(E).

(e) October 1, 2003 by SEBI (Credit Rating Agencies) (Second Amendment) Regulations, 2003 vide No. S.O. 1160(E).

(f) March 10, 2004 by SEBI (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 vide No. S.O. 398 (E).

(g) September 7, 2006 by SEBI (Credit Rating Agencies) (Amendment) Regulations, 2006 vide No. S. O. 1454(E).

(h) May 26, 2008 by SEBI (Intermediaries) Regulations, 2008 vide No. LAD-NRO/GN/2008/11/126538.